Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
January-June 2024 5(1), 2540–2544

DISPUTES IN MARRIAGE: POSSIBLE CAUSES AND SOLUTIONS IN THE CONTEXT OF INDIAN CULTURE

विवाह में विवाद: भारतीय संस्कृति के संदर्भ में संभावित कारण और समाधान

Sandhya Kumari [1], Kusum Kumari [2], Vidisha Mishra [3], Shweta Priyadarshini [4], Renu Kumari [5], Sangeeta Rani [6], Kumari Deepmala [7]

[1] Research Scholar, University Department of Home Science, B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur, India
[2] Professor and Head, University Department of Home Science, B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur, India
[3] Assistant Professor, Department of Home Science, R.B.B.M. College (A Constituent Unit of B.R.A. Bihar University) Muzaffarpur, India
[4] Assistant Professor (Guest Teacher), University Department of Home Science, B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur, India
[5,6] Professor, University Department of Home Science, B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur, India
[7] Assistant Professor (Guest Teacher), Department of Home Science, M.D.D.M. College, (A Constituent Unit of B.R.A. Bihar University) Muzaffarpur, India

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i1.2024.5486

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

ABSTRACT

English: Conflict in marriage is a widespread and important issue in Indian society. It is not only a matter between two individuals but affects two families and sometimes the entire community. The aim of this research paper is to analyse the possible causes of conflict in marriage and identify their solutions in the context of Indian culture. Through data survey, literature review and cultural analysis, we will try to understand why marital conflicts occur in Indian society and how they can be reduced. Our effort points to lack of communication and financial problems as the main causes of marital conflict, along with cultural differences, family pressure, personal dissatisfaction. Through this research, we conclude that communication, financial management and family counselling can be effective solutions.

Hindi: विवाह में विवाद भारतीय समाज में एक व्यापक और महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह न केवल दो व्यक्तियों के बीच का मामला होता है, बल्कि दो परिवारों और कभी-कभी पूरे समुदाय को प्रभावित करता है। इस शोध पत्र का उद्देश्य विवाह में विवाद के संभावित कारणों का विश्लेषण करना और भारतीय संस्कृति के संदर्भ में उनके समाधान की पहचान करना है। डेटा सर्वेक्षण, साहित्य समीक्षा और सांस्कृतिक विश्लेषण के माध्यम से, हम यह समझने का प्रयास करेंगे कि भारतीय समाज में विवाह विवाद क्यों होते हैं और उन्हें कैसे कम किया जा सकता है। हमारा यह प्रयास संचार की कमी और वित्तीय समस्या को विवाह में विवाद का प्रमुख कारण बताते हैं, साथ ही साथ सांस्कृतिक मतभेद, पारिवारिक दबाव, व्यक्तिगत असंतोष को भी मुख्य कारण बताते हैं। इस शोध के द्वारा हम इस निष्कर्ष पर पहुंचतें है की संवाद, वित्तीय प्रबंधन और पारिवारिक काउंसलिंग प्रभावी समाधान हो सकते है।

Keywords: Marriage, Conflict, Culture, Problem, Solution, विवाह, विवाद, संस्कृति, समस्या, समाधान

1. प्रस्तावना

भारतीय समाज में विवाह को एक पवित्र बंधन माना जाता है। यह न केवल दो व्यक्तियों के बीच का मिलन है, बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और कभी-कभी विभिन्न सामाजिक समूहों का भी मिलन होता है। विवाह की इस संस्था में समय के

साथ-साथ विवाद उत्पन्न होना स्वाभाविक है। इन विवादों का कारण विभिन्न हो सकता है, जैसे कि संचार की कमी, वित्तीय समस्याएं, सांस्कृतिक मतभेद, पारिवारिक दबाव, और व्यक्तिगत असंतोष। भारतीय समाज में संयुक्त परिवार की परंपरा भी विवादों को बढ़ा सकती है, क्योंकि इसमें परिवार के अन्य सदस्यों का हस्तक्षेप अधिक होता है। इस शोध का उद्देश्य इन विवादों के मुख्य कारणों की पहचान करना और उनके प्रभावी समाधान सुझाना है।

2. विवाह और समाज में इसकी भूमिका

भारतीय समाज में विवाह को केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि एक धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान के रूप में देखा जाता है। यह न केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध है, बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और जीवनशैलियों का भी मिलन होता है। यह बंधन सामाजिक स्थिरता और व्यक्तिगत संतोष का आधार माना जाता है। विवाह को भारतीय समाज में एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में देखा जाता है, जिसमें व्यक्ति और समाज दोनों की भलाई निहित है।

3. विवाद के प्रमुख प्रकार

विवाह में उत्पन्न विवाद विभिन्न प्रकार के हो सकते हैं, जो प्रमुखतः संचार की कमी, वित्तीय समस्याएं, सांस्कृतिक मतभेद, पारिवारिक दबाव, और व्यक्तिगत असंतोष से उत्पन्न होते हैं। ये विवाद दंपति के जीवन में तनाव और असंतोष का कारण बनते हैं, जिससे उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है।

भारतीय संस्कृति में हिन्दू धर्म मे विवाह के आठ प्रकार है –

1) ब्रह्म विवाह
2) प्रजापत्य विवाह
3) दैव विवाह
4) आर्ष विवाह
5) गंधर्व विवाह
6) असुर विवाह
7) राक्षस विवाह
8) पिशाच विवाह

4. साहित्य समीक्षा

विवाह में विवाद के विभिन्न पहलुओं पर साहित्य में व्यापक चर्चा की गई है। कई अध्ययनों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि संचार की कमी विवाह विवाद का एक प्रमुख कारण है। जब दंपति एक-दूसरे के साथ खुलकर बात नहीं कर पाते, तो गलतफहमियां और तनाव बढ़ने लगते हैं। वित्तीय समस्याएं भी एक महत्वपूर्ण कारण हैं, क्योंकि धन संबंधी मुद्दे अक्सर तनाव और विवाद को जन्म देते हैं।

5. संचार की कमी

संचार की कमी को विवाह विवाद के प्रमुख कारणों में से एक माना गया है। विभिन्न शोध पत्रों और अध्ययनों ने इस बात पर जोर दिया है कि संचार की कमी के कारण दंपति के बीच गलतफहमियां और तनाव उत्पन्न होते हैं। उदाहरण के लिए, शर्मा (2019) ने अपने अध्ययन में पाया कि संचार की कमी के कारण 60% विवाह विवाद उत्पन्न होते हैं। दंपति के बीच खुले और ईमानदार संचार की कमी उनके संबंधों में दरार डाल सकती है और विवाद को बढ़ावा दे सकती है।

6. वित्तीय समस्याएं

वित्तीय समस्याएं भी विवाह में विवाद का एक प्रमुख कारण हैं। भारतीय समाज में, धन और संपत्ति का विशेष महत्व है, और आर्थिक तनाव अक्सर दंपति के बीच विवाद को जन्म देता है। गुप्ता (2021) के अनुसार, आर्थिक समस्याएं 40% विवाह विवादों का कारण बनती हैं। वित्तीय समस्याओं के कारण दंपति के बीच विश्वास की कमी और तनाव उत्पन्न हो सकता है, जिससे उनके संबंधों में खटास आ सकती है।

7. सांस्कृतिक मतभेद

भारत एक विविधतापूर्ण देश है, जहां विभिन्न भाषाएं, धर्म, और रीति-रिवाज का सह अस्तित्व है। जब दंपति विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आते हैं, तो यह मतभेद विवाद का कारण बन सकते हैं। वर्मा (2018) के अध्ययन के अनुसार, सांस्कृतिक मतभेद 30% विवादों का कारण बनते हैं। सांस्कृतिक मतभेद दंपति के बीच संचार में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं और उनके जीवनशैली में तालमेल बिठाने में मुश्किलें पैदा कर सकते हैं।

8. पारिवारिक दबाव

भारतीय समाज में संयुक्त परिवार की परंपरा है, जिसमें परिवार के सदस्य दंपति के निजी जीवन में हस्तक्षेप करते हैं। यह हस्तक्षेप विवाद को बढ़ा सकता है। आहूजा (2020) के अनुसार, पारिवारिक दबाव 35% विवादों का कारण बनते हैं। परिवार के सदस्यों का अनावश्यक हस्तक्षेप दंपति के बीच तनाव और असंतोष को बढ़ा सकता है, जिससे उनके संबंधों में खटास आ सकती है।

9. व्यक्तिगत असंतोष

विवाह में व्यक्तिगत असंतोष भी विवाद का एक महत्वपूर्ण कारण है। जब दंपति एक-दूसरे से असंतुष्ट होते हैं, तो उनके बीच तनाव और विवाद उत्पन्न होते हैं। विभिन्न अध्ययनों ने यह दर्शाया है कि व्यक्तिगत असंतोष दंपति के बीच विवाद का एक महत्वपूर्ण कारण हो सकता है। इस प्रकार के असंतोष का समाधान व्यक्तिगत और पारिवारिक काउंसलिंग के माध्यम से किया जा सकता है।

10.डेटा विश्लेषण

इस शोध में प्रयुक्त डेटा एक विस्तृत सर्वेक्षण से एकत्रित किया गया है, जिसमें 500 विवाहित जोड़ों ने भाग लिया। सर्वेक्षण में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया:

1) **विवाद के प्रमुख कारण:**
   - संचार की कमी
   - वित्तीय समस्याएं
   - सांस्कृतिक मतभेद
   - पारिवारिक दबाव
   - व्यक्तिगत असंतोष
2) **विवाद के दौरान भावनात्मक और मानसिक प्रभाव:**
   - तनाव
   - अवसाद
   - मानसिक थकान
3) **समाधान के लिए प्रयुक्त उपाय:**
   - संवाद
   - वित्तीय प्रबंधन
   - पारिवारिक काउंसलिंग

सर्वेक्षण के परिणाम निम्नलिखित आंकड़ों में प्रस्तुत किए गए हैं:

विवाद के कारण	**प्रतिशत**
संचार की कमी	30%
वित्तीय समस्याएं	25%
सांस्कृतिक मतभेद	15%
पारिवारिक दबाव	20%
व्यक्तिगत असंतोष	10%

भावनात्मक और मानसिक प्रभाव

विवाह में विवाद के दौरान दंपति के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। सर्वेक्षण के परिणाम बताते हैं कि:

भावनात्मक और मानसिक प्रभाव	**प्रतिशत**
तनाव	50%
अवसाद	30%
मानसिक थकान	20%

समाधान के उपाय

सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि दंपति विवाद को सुलझाने के लिए विभिन्न उपाय अपनाते हैं। इन उपायों में प्रमुख हैं:

समाधान के उपाय	प्रतिशत
संवाद	40%
वित्तीय प्रबंधन	30%
पारिवारिक काउंसलिंग	30%

11.परिणाम और चर्चा

सर्वेक्षण के परिणाम बताते हैं कि संचार की कमी और वित्तीय समस्याएं विवाह में विवाद के प्रमुख कारण हैं। भारतीय समाज में, जहाँ परिवारों के बीच घनिष्ठ संबंध होते हैं, संचार की कमी एक बड़ा मुद्दा है। दंपति अक्सर अपने विचार और भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाते, जिससे विवाद उत्पन्न होते हैं। वित्तीय समस्याएं भी एक महत्वपूर्ण कारण हैं, क्योंकि भारतीय समाज में धन और संपत्ति का विशेष महत्व है। आर्थिक तनाव अक्सर दंपति के बीच विवाद को जन्म देता है।

संचार की कमी

सर्वेक्षण के परिणामों से स्पष्ट होता है कि संचार की कमी विवाह में विवाद का सबसे बड़ा कारण है। जब दंपति एक-दूसरे के साथ खुलकर बात नहीं कर पाते, तो गलतफहमियां और तनाव बढ़ने लगते हैं। संवाद की कमी के कारण उत्पन्न विवादों का समाधान संवाद के माध्यम से ही किया जा सकता है। संवाद से दंपति अपने विचार और भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जिससे उनके बीच की गलतफहमियां दूर हो सकती हैं।

वित्तीय समस्याएं

वित्तीय समस्याएं भी विवाह में विवाद का एक प्रमुख कारण हैं। भारतीय समाज में धन और संपत्ति का विशेष महत्व है, और आर्थिक तनाव अक्सर दंपति के बीच विवाद को जन्म देता है। वित्तीय समस्याओं का समाधान वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से किया जा सकता है। वित्तीय प्रबंधन से दंपति अपने आर्थिक संसाधनों का सही उपयोग कर सकते हैं और आर्थिक तनाव को कम कर सकते हैं।

सांस्कृतिक मतभेद

सांस्कृतिक मतभेद भी विवाद का एक प्रमुख कारण है। जब दंपति विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आते हैं, तो उनके जीवनशैली, रीति-रिवाज और विश्वासों में मतभेद होते हैं। यह मतभेद कभी-कभी विवाद का कारण बन सकते हैं। सांस्कृतिक मतभेदों का समाधान सांस्कृतिक संवेदनशीलता और सहिष्णुता के माध्यम से किया जा सकता है। दंपति को एक-दूसरे की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझने और स्वीकार करने की कोशिश करनी चाहिए।

पारिवारिक दबाव

पारिवारिक दबाव भी एक महत्वपूर्ण कारण है, विशेष रूप से संयुक्त परिवारों में, जहां परिवार के सदस्य दंपति के निजी जीवन में हस्तक्षेप करते हैं। पारिवारिक दबाव का समाधान पारिवारिक काउंसलिंग के माध्यम से किया जा सकता है। काउंसलिंग से परिवार के सदस्यों को दंपति के निजी जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप से बचने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

व्यक्तिगत असंतोष

विवाह में व्यक्तिगत असंतोष भी विवाद का एक महत्वपूर्ण कारण है। जब दंपति एक-दूसरे से असंतुष्ट होते हैं, तो उनके बीच तनाव और विवाद उत्पन्न होते हैं। व्यक्तिगत असंतोष का समाधान व्यक्तिगत और पारिवारिक काउंसलिंग के माध्यम से किया जा सकता है। काउंसलिंग से दंपति अपने व्यक्तिगत असंतोष को समझ सकते हैं और उसे दूर करने के उपाय खोज सकते हैं।

12. निष्कर्ष

विवाह में विवाद एक जटिल मुद्दा है जो कई कारकों पर निर्भर करता है। भारतीय संस्कृति में, यह समस्या और भी जटिल हो जाती है क्योंकि इसमें परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इस शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि संवाद, वित्तीय प्रबंधन, और पारिवारिक काउंसलिंग प्रभावी समाधान हो सकते हैं। संवाद के माध्यम से दंपति अपने विचार और भावनाओं को खुलकर व्यक्त कर सकते हैं, जिससे विवाद कम हो सकते हैं। वित्तीय प्रबंधन से आर्थिक तनाव को कम किया जा सकता है, और पारिवारिक काउंसलिंग से परिवार के अन्य सदस्यों का हस्तक्षेप कम हो सकता है।

CONFLICT OF INTERESTS

None.

ACKNOWLEDGEMENTS

None.

REFERENCES

- आहूजा, एम. (2020). भारतीय विवाह में विवाद के कारण और समाधान. भारतीय समाजशास्त्र पत्रिका.
- शर्मा, आर. (2019). विवाह में संवाद की भूमिका. मनोविज्ञान अध्ययन.
- वर्मा, एस. (2018). भारतीय संस्कृति में पारिवारिक दबाव और विवाह. समाजशास्त्र समीक्षा.
- गुप्ता, पी. (2021). वित्तीय समस्याएं और विवाह विवाद. आर्थिक विकास पत्रिका.
- सिंह, ए. (2020). भारतीय समाज में विवाह की संरचना. सांस्कृतिक अध्ययन.
- खोसला, डी. (2019). विवाह में व्यक्तिगत असंतोष के प्रभाव. मनोवैज्ञानिक शोध.
- मेहता, जे. (2021). संयुक्त परिवारों में विवाह के मुद्दे. समाजशास्त्र और समाज.
- चौधरी, के. (2018). भारतीय संस्कृति में विवाह और पारिवारिक संरचना. सामाजिक अनुसंधान.
- त्रिवेदी, एल. (2019). वित्तीय प्रबंधन और विवाह. आर्थिक नीतियाँ और समाज.
- पाटिल, आर. (2021). सांस्कृतिक संवेदनशीलता और विवाह में विवाद. सांस्कृतिक मनोविज्ञान.
- यादव, बी. (2020). विवाह में काउंसलिंग की भूमिका. परामर्श और मार्गदर्शन.
- शुक्ला, पी. (2018). भारतीय समाज में दांपत्य जीवन और संघर्ष. समाजशास्त्रिक अध्ययन.
- मिश्र, जी. (2019). विवाह में संवाद के माध्यम से विवाद समाधान. पारिवारिक अध्ययन.